चाइनीज पेमेंट गेटवे लगाने से इनकार किया तो दी धमकी

- आईटी कंपनी की संचालक के साथ ब्लैकमेलिंग
- पुलिस ने केस दर्ज कर शुरू की जांच

नव भारत न्यूज

इंदौर. लसूड़िया क्षेत्र में एक महिला आईटी उद्यमी को गेमिंग वेबसाइट पर चीनी पेमेंट गेटवे लगाने से मना करना महंगा पड़ गया. अज्ञात व्यक्ति ने धमकियों, गाली-गलौज और सोशल मीडिया का दुरूपयोग कर उसका उत्पीड़न शुरू कर दिया, शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

इंदौर में साइबर उत्पीड़न का एक गंभीर मामला सामने आया है. लसूड़िया क्षेत्र स्थित आईटी कंपनी की महिला संचालक ने पुलिस को बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने उनकी कंपनी से गेमिंग वेबसाइट तैयार कराने का काम लिया था. वेबसाइट बनकर तैयार होने के बाद जब पेमेंट गेटवे जोड़ने की बारी आई, तो उसने चीनी पेमेंट गेटवे लगाने का दबाव डालना शुरू कर दिया. महिला ने सुरक्षा और नीतिगत कारणों से इस पेमेंट गेटवे को लगाने से साफ इनकार कर दिया. इसके बाद आरोपी ने लगातार परेशान करना शुरू कर दिया.

आरोपी अलग-अलग नंबरों से कर रहा ब्लैकमेलिंग

महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि आरोपी व्यक्ति अलग-अलग नंबरों से पीड़िता और उनके पति के साथ गाली-गलौज कर रहा है, जान से मारने की धमकियां दे रहा है और सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरों का दुरुपयोग कर बदनाम करने की कोशिश कर रहा है. पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी व्हाट्सऐप और अन्य सोशल प्लेटफॉर्म पर स्टॉकिंग कर रहा है, परिवार के सदस्यों की तस्वीरें प्रोफाइल पर लगाकर ब्लैकमेलिंग की कोशिशें भी कर रहा है. लगातार बढ़ते उत्पीड़न से परेशान होकर महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई.

आरोपी के विदेशी साइबर नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका

लसूड़िया पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर मोबाइल नंबरों की जांच शुरू कर दी है. पुलिस तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी की पहचान और लोकेशन ट्रेस करने में जुटी है. प्रारंभिक जांच में यह भी आशंका जताई जा रही है कि मामला किसी विदेशी, खासकर चीन-लिंक्ड साइबर नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है, जिसकी विस्तृत जांच की जा रही है.

राजस्थान के झुंझुनू से चुराई बुलेट इंदौर में पकड़ाई

- मोडिफाइड साइलेंसर पर कार्रवाई के दौरान हुआ खुलासा

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में चल रही विशेष चेकिंग मुहिम के दौरान विजयनगर चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली. मोडिफाइड साइलेंसर के चलते रोकी गई एक बुलेट की जांच में पता चला कि वह राजस्थान के झुंझुनू से चुराई गई थी. ट्रैफिक सूबेदार ने सतर्कता दिखाते हुए मौके पर ही वाहन जब्त कर लिया.

थाना प्रभारी चंद्रकांत पटेल ने बताया कि विजयनगर चौराहे पर यातायात सूबेदार सुरेंद्र सिंह और आरक्षक चैन सिंह वाहनों की चेकिंग एवं प्रबंधन में जुटे थे. इसी दौरान मोडिफाइड साइलेंसर वाली बुलेट एमपी 09 टीएस 2500 को रोका. कार्रवाई के दौरान बाइक सवार चालान की राशि लाने का बहाना बनाकर मौके से चला गया, जिससे शक गहरा गया. संदेह के आधार पर सूबेदार ने पीओएस मशीन से वाहन नंबर दर्ज कर जानकारी निकालना चाही, लेकिन कोई डेटा उपलब्ध नहीं हुआ. इसके बाद चेसिस नंबर से सर्च किया तो बाइक का असली नंबर आरजे 18 एएस 5900 निकल आया, जो झुंझुनू, राजस्थान से चोरी होना पाया गया.

200 करोड़ का घोटाला ईओडब्ल्यू की बड़ी कार्रवाई

- आस्था फाउंडेशन फॉर एजुकेशन सोसायटी के दफ्तर से महत्वपूर्ण रिकॉर्ड जब्त

नव भारत न्यूज

इंदौर. कथित 200 करोड़ की वित्तीय अनियमितताओं की जांच में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने कनाड़िया रोड स्थित सेवाकुंज अस्पताल परिसर में संचालित आस्था फाउंडेशन फॉर एजुकेशन सोसायटी के दफ्तर पर लंबी तलाशी कार्रवाई की. टीम ने यहां से डिजिटल डेटा सहित कई अहम वित्तीय दस्तावेज कब्जे में लिए हैं.

जानकारी के अनुसार ईओडब्ल्यू की सुबह से लेकर शाम तक चली तलाशी में संस्था से जुड़े लेन-देन के रिकॉर्ड को खंगाला गया. कार्रवाई के दौरान दफ्तर से हार्ड डिस्क, पेनड्राइव, बैलेंस शीट, अकाउंट स्टेटमेंट और लोन से जुड़े कई दस्तावेज जब्त किए. सूत्रों का कहना है कि जब्त सामग्री मामले की जांच में अहम भूमिका निभा सकती है. यह कार्रवाई संस्था के पूर्व चेयरमैन अनिल संघवी की शिकायत के आधार पर दर्ज केस की अगली कड़ी है. शिकायत में आरोप लगाया गया था कि संस्था के नाम पर लिए गए करोड़ों के लोन का दुरूपयोग किया और बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ी की गई. इस मामले में भोपाल ईओडब्ल्यू ने जयनारायण चौकसे, अनुपम चौकसे, धर्मेंद्र गुप्ता, श्वेता चौकसे, पूनम, पूजाश्री और आशीष जायसवाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी. कार्रवाई के दौरान वहां मौजूद पत्रकारों और मीडिया टीमों को परिसर में तैनात सुरक्षा कर्मियों और बाउंसर्स ने प्रवेश नहीं करने दिया, जिससे विवाद की स्थिति बन गई. बताया जाता है कि जब्त रिकॉर्ड की तकनीकी और वित्तीय दोनों स्तरों पर विस्तृत जांच की जाएगी. जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई तय की जाएगी.

दो दिन में 2535 चालान, नियम तोड़ने वाले पुलिसकर्मियों पर भी कार्रवाई

इंदौर. यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने शहर में सख्त रवैया अपनाया है. पिछले 48 घंटों में बिना हेलमेट, नो-एंट्री उल्लंघन, भारी वाहनों की अवैध आवाजाही और लंबित चालानों पर व्यापक कार्रवाई करते हुए 2535 चालान बनाए गए. अभियान में पुलिसकर्मी भी जांच से नहीं बच पाए. ट्रैफिक पुलिस ने एक दिन में 1265 चालान बनाए, जिनमें 1146 लोग हेलमेट नहीं पहनने के कारण पकड़े गए, कई स्थानों पर ऐसे पुलिसकर्मी भी कार्रवाई की जद में आए, जिन्होंने बाइक पर नंबर प्लेट की जगह पुलिस लिख रखा था और स्वयं हेलमेट नहीं लगाया. रेडिसन चौराहे पर एक जवान चालान से बचने के लिए बहस करता रहा, लेकिन ट्रैफिक टीम ने नियमों के अनुसार कार्रवाई की. नो-एंट्री में घुसे 12 भारी वाहनों पर भी जुर्माना लगाया.

खजराना में बुजुर्ग की हत्या के आरोपी को 48 घंटे में दबोचा

- सर्विस रोड पर घायल मिला था तपेश्वरी बाग निवासी बुजुर्ग
- विवाद के बाद सिर पर पत्थर से हमला करने के कारण हुई थी मौत

नव भारत न्यूज

इंदौर. सर्विस रोड पर संदिग्ध हालात में मिले बुजुर्ग की मौत का मामला हत्या में बदल गया. खजराना पुलिस ने घटनाक्रम सुलझाते हुए वारदात के 48 घंटे के भीतर ही अज्ञात आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया. आरोपी भागने के दौरान घायल भी हुआ है, पुलिस उससे पूछताछ कर रही है.

थाना प्रभारी मनोज सिंह सेंधव ने बताया कि घटना 12 नवंबर की रात की है, एमवाय अस्पताल से पुलिस को सूचना मिली थी कि 65 वर्षीय परमेश्वर निवासी तपेश्वरी बाग खजराना, घायल अवस्था में लाए गए थे और उनकी मृत्यु हो गई. प्रारंभिक तौर पर मामला मर्ग में लिया गया, लेकिन 14 नवंबर को मिली पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर पर भारी वस्तु से चोट लगने की पुष्टि होने के बाद मामला हत्या में बदल गया था. इसके बाद पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की.

जांच टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली.

इन्हीं के आधार पर यह सामने आया कि बुजुर्ग की एक व्यक्ति से टकराहट हुई थी. बहसबाजी बढ़ने पर बुजुर्ग ने आरोपी को थप्पड़ मार दिया था, इसके बाद आरोपी ने गुस्से में पास रखा पत्थर उठाकर बुजुर्ग के सिर पर दे मारा. आरोपी की पहचान 29 वर्षीय नीरज उर्फ चीनू निवासी रुस्तम का बगीचा, थाना तुकोगंज के रूप में हुई. उसके स्कीम नंबर 134 बायपास की ओर भागने की सूचना मिली थी. पुलिस टीम वहां पहुंची तो आरोपी भागने लगा, इसी दौरान उसके हाथ और पैर में चोट आ गई. पुलिस ने उसे पकड़ लिया, आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में पूर्व से भी प्रकरण दर्ज हैं.

एक नजर में

समाधान योजना से इंदौर के उपभोक्ता को तीन लाख की छूट

इंदौर. राज्य सरकार की समाधान योजना उपभोक्ताओं के लिए राहत का बड़ा जरिया बन रही है. शहर के मालवा मिल क्षेत्र के उपभोक्ता शाकिर अली को इस योजना के तहत करीब तीन लाख रुपए का सरचार्ज माफ हुआ है. कोविड अवधि के दौरान उनका लंबित बिजली बिल सरचार्ज सहित करीब साढ़े छह लाख रुपए तक पहुंच गया था. शुक्रवार को उन्होंने मूल राशि जमा की, जिसके बाद वर्षों से जुड़ा सरचार्ज तत्काल माफ हो गया. शाकिर अली ने योजना को आमजन के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें और उनके परिवार को बड़ी आर्थिक राहत मिली है. मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि अब तक 9715 उपभोक्ता इस योजना का लाभ ले चुके हैं. इन्हें पात्रतानुसार 64 लाख रुपए से अधिक की रियायत दी गई है, जबकि कंपनी को पांच करोड़ रुपए से ज्यादा का राजस्व प्राप्त हुआ है. कंपनी ने तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ताओं से योजना का लाभ लेकर सरचार्ज छूट प्राप्त करने की अपील की है.

दो वाहनों से लाखों की अवैध शराब जब्त

इंदौर. अवैध शराब तस्करी पर सख्ती जारी रखते हुए आबकारी विभाग ने शहर में दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई कर दो वाहनों से बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त की है. एक आरोपी को अदालत ने जेल भेज दिया है, जबकि दूसरे के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज कर पूछताछ की जा रही है. आबकारी वृत्त बालदा कॉलोनी प्रभारी मीरा सिंह की टीम ने मुखबिर की सूचना पर रीजनल पार्क के सामने घेराबंदी कर एक एक्टिवा से ले जाई जा रही 50 बल्क लीटर से अधिक शराब पकड़ी. आरोपी प्रदीप जाधव को हिरासत में लेकर मप्र आबकारी अधिनियम 1915 के तहत प्रकरण दर्ज किया. पेशी के बाद न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया. इसी तरह आबकारी वृत्त आंतरिक-2 प्रभारी जया मुजाल्दे के नेतृत्व में दिलीप नगर, सुपर कॉरिडोर इलाके में गश्त के दौरान एक स्कूटर से 50 पाव देसी प्लेन, 50 पाव देसी मसाला और 46 पाव सीपी वोडका जब्त की. इस मामले में आरोपी अनिल रघुवंशी को पकड़ा. उसके खिलाफ भी आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की. जब्त शराब और दोनों वाहनों की कीमत करीब 78 हजार 400 रुपए बताई जा रही है.

नो-एंट्री में घुसे वाहन चालकों से 60 हजार वसूले

इंदौर. शहर की सड़कों पर नियम तोड़कर प्रवेश करने वाले भारी वाहनों पर

पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए 24 घंटे की कार्रवाई में कई ड्राइवरों पर जुर्माना ठोका. शहर में सुचारू और सुरक्षित यातायात बनाए रखने के लिए पुलिस कमिश्नरेट के निर्देश पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, जिसके तहत 14 नवंबर की सुबह से 15 नवंबर की सुबह तक नो-एंट्री क्षेत्र में प्रतिबंधित समय पर भारी वाहन लेकर घुसने वाले ड्राइवरों पर विशेष कार्रवाई की गई. टीमों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में तैनाती कर ऐसे 12 वाहनों को रोककर चालानी कार्रवाई की. इनसे 60 हजार रुपए का समन शुल्क वसूलकर राशि शासन के खाते में जमा कराई गई. पुलिस ने सभी ड्राइवरों को कड़ाई से हिदायत दी कि निर्धारित समय और प्रशासनिक निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है, अन्यथा आगे और कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

ट्रैफिक हेल्पलाइन पर 12 शिकायतों का तुरंत समाधान

इंदौर. यातायात संबंधी शिकायतों के तुरंत समाधान के लिए ट्रैफिक पुलिस द्वारा व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है, जिस पर नागरिक सीधे समस्याएं दर्ज करा सकते हैं. शहर में निर्बाध यातायात व्यवस्था के लिए ट्रैफिक पुलिस हर शिकायत पर तुरंत कार्रवाई कर रही है. हेल्पलाइन पर आई 14 शिकायतों में से 12 का उसी समय निपटारा कर दिया है. शहर में सुरक्षित और सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस कमिश्नरेट के निर्देशन में ट्रैफिक पुलिस लगातार मैदानी स्तर पर सक्रिय है. यातायात संबंधी शिकायतों के तुरंत समाधान के लिए जारी किए गए व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर पर नागरिक सीधे समस्याएं दर्ज करा रहे हैं. हेल्पलाइन पर 14 नवंबर को 14 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 12 का मौके पर ही समाधान कर दिया .अब तक 915 शिकायतें दर्ज की जा चुकी हैं, जिनमें से 898 का निपटारा कर दिया गया.

सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत करने पर दिया जोर

- डीआईजी (सामुदायिक पुलिसिंग) विनीत कपूर ने की समीक्षा बैठक

नव भारत न्यूज

इंदौर. पुलिस और आमजन के बीच समन्वय को और मजबूत बनाने तथा सामुदायिक पुलिसिंग को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए पुलिस कमिश्नर कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता पुलिस मुख्यालय भोपाल से आए उप पुलिस महानिरीक्षक (सामुदायिक पुलिसिंग) विनीत कपूर ने की.

पुलिस मुख्यालय के निर्देशों के तहत आयोजित इस बैठक में इंदौर पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों और नई योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई. पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक में अधिकारियों ने प्रजेंटेशन के माध्यम से मोहल्ला समिति बैठक, जनसंवाद, ड्रग एवं अपराध निवारण पेटी, साइबर जागरूकता कार्यक्रम, नशे के दुष्प्रभावों पर अभियान, महिला सुरक्षा संबंधी गतिविधियों और नगर सुरक्षा समिति जैसे प्रयासों की जानकारी दी. बताया गया कि इन पहलों से नागरिकों की भागीदारी बढ़ी है और अपराध नियंत्रण में सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहे हैं.

डीआईजी कपूर ने की इंदौर पुलिस की सराहना-डीआईजी विनीत कपूर ने इंदौर पुलिस की पहल की सराहना करते हुए कहा कि सेफ क्लिक, नशे से दूरी है जरूरी, सृजन जैसे अभियान समाज में प्रभावी जनजागरूकता पैदा कर रहे हैं. उन्होंने सुझाव दिया कि इन प्रयासों को और व्यापक स्तर पर ले जाकर सामाजिक संगठनों, शिक्षित नागरिकों और जिम्मेदार समूहों को जोड़ने से परिणाम और बेहतर होंगे. उन्होंने कहा कि पुलिस समाज का ही हिस्सा है और नागरिक सहभागिता बढ़ने से अपराध नियंत्रण के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता भी मजबूत होती है.

और भी पहल होंगी शुरू

बैठक में यह भी तय किया कि आने वाले समय में इंदौर पुलिस समाज के साथ मिलकर सामुदायिक पुलिसिंग के तहत और कई पहल शुरू करेगी, ताकि शहर में सुरक्षित और सहयोगात्मक वातावरण तैयार किया जा सके. बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित कुमार सिंह, डीसीपी प्रकाश परिहार, सीमा अलावा, राजेश दंडोतिया, संध्या राय, प्रियंका डुडवे, मीना चौहान सहित कमिश्नरेट के सभी एसीपी उपस्थित रहे.

तेज रफ्तार आयशर ने ली युवक की जान

नव भारत न्यूज

इंदौर. गांधीनगर रोड पर देर शाम एक आयशर वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी. इसमें बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई. आयशर चालक हादसे के बाद वाहन छोड़कर फरार हो गया. पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है.

थाना प्रभारी अनिल यादव ने बताया कि गांधीनगर रोड पर देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया. काम से घर लौट रहे हातोद निवासी 24 वर्षीय जीवन पिता बंशी राठौर को तेज रफ्तार आयशर वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर

इतनी भीषण थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई. जीवन एक कंपनी में कार्यरत था और ड्यूटी खत्म कर बाइक से घर जा रहा था. इसी दौरान तेज गति से आ रहे आयशर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया. हादसे के बाद आयशर चालक वाहन छोड़कर मौके से भाग निकला. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा. पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है.

नकली टेप बनाने की फैक्ट्री पकड़ी

- कोर्ट के आदेश पर सांवेर रोड स्थित फैक्ट्री पर पुलिस ने दी दबिश

नव भारत न्यूज

इंदौर. कॉपीराइट उल्लंघन की शिकायत पर अदालत के हस्तक्षेप के बाद सांवेर रोड स्थित एक औद्योगिक इकाई में बड़े पैमाने पर फर्जी टेप बनाने का मामला उजागर हुआ है. पुलिस ने यहां से भारी मात्रा में नकली पोलाद ब्रांड टेप और उससे जुड़े कच्चे माल के साथ कई अहम दस्तावेज जब्त किए हैं. पुलिस ने यह कार्रवाई कोर्ट से आदेश मिलने के बाद की.

बाणगंगा पुलिस को अदालत से मिले आदेश के बाद सांवेर रोड की एक औद्योगिक यूनिट पर कार्रवाई की गई. टीम को यहां नकली पोलाद ब्रांड टेप बनाने का पूरा सेटअप मिला. पुलिस ने मौके से फर्जी टेप की बड़ी खेप, निर्माण में उपयोग होने वाला कच्चा माल, डाई, मशीनरी संबंधित दस्तावेज और बिलों की प्रतियां जब्त कीं, सभी सामग्री कोर्ट में पेश कर दी गई है. जांच में सामने आया कि यह यूनिट लंबे समय से ब्रांडेड टेप की हूबहू नकल कर बाजार में सप्लाई कर रही थी. थोक और फुटकर स्तर पर कई दुकानदारों तक यह माल पहुंच रहा था. पुलिस अब उन सप्लायरों, वितरकों और दुकानदारों की पहचान कर रही है, जो इस फर्जी नेटवर्क का हिस्सा हैं. शहर में इससे पहले भी कॉपीराइट एक्ट के तहत कई मामले दर्ज हो चुके हैं, जिनमें नामी कंपनियों के उत्पादों की अवैध नकल कर बाजार में बेचा जा रहा था. पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई के बाद इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों पर भी सख्त कदम उठाए जाएंगे.

एक गलती ने खोल दिया 30 ई-चालान का राज

- ट्रैफिक पुलिस ने बाइक की जब्त

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में हेलमेट जागरूकता और नियम उल्लंघन के खिलाफ चल रही कार्रवाई के दौरान एक बाइक सवार की लापरवाही ने उसका पुराना रिकॉर्ड भी सामने ला दिया. दरअसल, ट्रैफिक पुलिस लगातार नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई कर रही है. इसी क्रम में, पलासिया चौराहे पर एक वाहन चालक पर बड़ी कार्रवाई की गई, जिसके 30 पुराने चालान लंबित थे. डीसीपी यातायात जोन 4 आनंद कलादगी के निर्देश पर ट्रैफिक पुलिस टीम पलासिया चौराहे पर चेकिंग कर रही थी. इसी दौरान बाइक नम्बर एमपी 09 वीएम 0299 के चालक को नियम उल्लंघन करने पर रोका. जवान द्वारा ऑनलाइन जांच की तो वे हैरान रह गए. ऑनलाइन जांच में पता चला कि चालक लगातार बिना हेलमेट वाहन चला रहा था. बार-बार नियम तोड़े जाने को गंभीरता से लेते हुए सूबेदार ब्रजराज अजनार ने मौके पर ही बाइक जब्त कर ली.

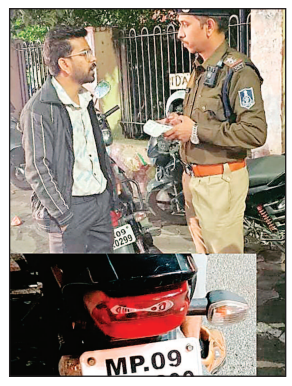

ऑनलाइन जांच में खुलासा 30 चालान थे पेंडिंग

जांच में यह तथ्य सामने आया कि उक्त वाहन चालक के खिलाफ पहले से ही बिना हेलमेट गाड़ी चलाने के 30 चालान लंबित हैं. इससे स्पष्ट था कि वाहन चालक लगातार यातायात नियमों का उल्लंघन कर रहा था.

वाहन जब्त कर कोर्ट चालान बनाया गया-लगातार नियमों के उल्लंघन और बड़ी संख्या में लंबित ई-चालानों को गंभीरता से लेते हुए, मौके पर मौजूद यातायात के सूबेदार ब्रजराज अजनार ने वाहन को तुरंत जब्त कर लिया. चालक के विरुद्ध कोर्ट चालान तैयार कर आगे की विधिक कार्रवाई की गई है. जब्त किए गए वाहन को कानूनी प्रक्रिया के लिए यातायात थाना भेज दिया गया है.

एक नजर में — घोषणा के बावजूद बीआरटीएस को हटाने का काम नहीं हुआ शुरू

वाहन चालकों की परेशानी बना हुआ है 11 किलोमीटर का बीआरटीएस

इंदौर. शहर के एबी रोड पर करोड़ों रुपए में बनाई गई बीआरटीएस की 11 किलोमीटर लंबी सडक़ आज भी लोगों के उपयोग में नहीं आ रही है. हालांकि ऐलान होने के बाद भी बीआरटीएस अब तक नहीं हटाया जा सका.जबकि शहर के बिगड़े यातायात से आम जनता बेहाल हो रही है.

शहर में बढ़ते यातायात को लेकर हर दिन शहर की जनता परेशान होती दिखाई पड़ती है. लगातार बढ़ती वाहनों की संख्या के कारण वाहन चलाने के लिए अब सडक़ें कम पडऩे लगी हैं. नगर निगम ने बड़ा फैसला लेते हुए बीआरटीएस बनाया, जो यातायात की परिस्थितियों को देखते हुए उचित कदम नहीं था. इस पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए और शहर की मुख्य सडक़ माने जाने वाले एबी रोड का बड़ा हिस्सा बीआरटीएस के लिए अधिग्रहित कर दिया गया.

निरंजनपुर चौराहा से लेकर राजीव गांधी चौराहा तक एबी रोड ऐसा मार्ग है, जो सुबह से लेकर देर रात तक व्यस्त रहता है. इस मार्ग से जुड़े सभी चौराहों में से एक भी ऐसा चौराहा नहीं है, जहां यातायात का भार नहीं हो, फिर भी इस मार्ग पर बीआरटीएस बनाने का प्रयोग किया गया. अब फिर करोड़ों खर्च कर इसे हटाने की कवायद चल रही है, लेकिन किया गया और बीआरटीएस पर लगी रेलिंग हटाने की कोशिशें ठंडी पड़ गईं. अब शहर की जनता चाहती है कि को जल्दी पूर्ण किया जाए, ताकि वाहनों के चलने के लिए पर्याप्त सडक़ मिल सके.

यह बोले नागरिक ...

एबी रोड एक ऐसा मार्ग है, जो पूरे शहर की लाइफ लाइन कहा जाता है. यह दूसरे शहरों को भी इंदौर शहर से कनेक्ट करता है. ऐसे में इस मार्ग पर यातायात का भार ज्यादा होता है.

- मनोज ओझा

बीआरटीएस को बनाया जा रहा था, तब भी नागरिकों ने विरोध कर बताया था कि इससे शहर का यातायात प्रभावित होगा, तब प्रशासन ने नहीं सुना. अब इसे हटाने का ऐलान हुआ है तो जल्दी से लोगों को राहत देना चाहिए.

- रवि वर्मा

भविष्य की नीति को अनदेखा कर करोड़ों में इसका निर्माण कार्य हुआ और आज फिर से करोड़ों रुपए लगाकर इसे हटाया जाएगा. अदूरदर्शिता के कारण दोनों ही कार्य में निगम ने जनता के पैसे का नुकसान किया है.

- मनोज रावत